Admission Information Brochure 2024-25

Government Raza Post Graduate College, Rampur

(Affiliated to M.J.P Rohilkhand University, Bareilly)
Re-Accredited 'B' Grade by NAAC (3rd Cycle)

प्रवेश विवरणिका 2024-25

Diamond Jubilee Year
(1949-2024)

Information Brochure 2024-25

Government Raza Post Graduate College

(ISO 9001:2015 Certified)

Khusro Bagh, Rampur - 244901(UP) India
Website: http://www.grpgcrampur.com

Admission Email: admission.grpg@gmail.com

Diamond Jubilee Year (2023-24)
GOVT. RAZA POST GRADUATE COLLEGE, RAMPUR
Re-Accredited 'B' by NAAC(3rd Cycle)
Affiliated by M.J.P Rohilkhand University, Bareilly
ISO 9001:2015 Certified

कुलगीत

ज्ञान ज्योति उपासमहे, ज्ञान ज्योति उपासमहे - 2
पवन-उपवन बीच विद्यालय हमारा-2
युगल संस्कृति ने इसे मिलकर सवाँरा
सर्वजन रहते समन्वित हैं यहाँ,
रज़ा के सौजन्य का फल ज्ञान सारा
प्रेरणा उपलब्धिमय यह प्रगति पथ पूजित रहे
चिर सफल आदर्श वाणी ज्ञान ज्योति उपासमहे
ज्ञान ज्योति उपसमहे - 2
भव्यतम बहिरंग है बहुरंग वाला
संग इसकी एकता का ढंग आला - 2
विषमताएँ हैं मुखर, समता मुखरतर है यहाँ,
विहँसता उपवन सजी ज्यों पुष्पमाला
रज़ा विद्या वाटिका के सब सुमन हो महमहे
एक स्वर में मंत्र गूँजे, ज्ञान ज्योति उपासमहे
ज्ञान ज्योति उपासमहे, ज्ञान ज्योति उपासमहे -2

---

https://www.youtube.com/watch?v=8Et0J2yYs-M

Table of Contents

महाविद्यालय **के विभिन्न संकाय** (Faculty) 4

राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 एवं FYUP (Four Year Undergraduate Program) के अनुक्रम में प्रवेश, पाठ्यक्रम एवं विषय चयन सम्बन्धी दिशा निर्देश..... 6

विषयों का चयन (Selection of Minor Subject) 9

विश्विद्यालय के प्रवेश संबंधी नियम: 10

आवेदन पत्र के साथ संलग्न करें- (Documents required with Admission Form)- 16

महाविद्यालय के विभिन्न संकायों में उपलब्ध सीटों की संख्या: 17

Faculty Members 18

शिक्षणेत्तर एवं पाठ्यक्रम सहगामी गतिविधियाँ..... 22

महाविद्यालय द्वारा प्रदत्त सुविधाएँ..... 23

VALUE FRAMEWORK OF THE INSTITUTION 24

PROUD TO BE A RAZARIAN

राजकीय रज़ा स्नातकोत्तर महाविद्यालय, रामपुर (उ० प्र०)

(एम.जे.पी. रूहेलखण्ड विश्वविद्यालय, बरेली से सम्बद्ध / यू०जी०सी०, नई दिल्ली द्वारा मान्यता प्राप्त)

शिक्षा, संस्कार एवं अनुशासन का एक उत्कृष्ट संस्थान

ऐतिहासिक परिचय :

रामपुर रियासत के 1949 में भारतीय गणराज्य में विलय से पूर्व तत्कालीन नवाब सै० रजा अली खाँ द्वारा संस्थापित 'रज़ा डिग्री कॉलेज' को उत्तर प्रदेश (तत्कालीन उत्तराखण्ड समेत) के राजकीय महाविद्यालयों में सर्वप्राचीन होने का गौरव प्राप्त है। गंगा-जमुनी तहजीब, हिन्दू-मुस्लिम भाईचारे के लिए प्रसिद्ध रामपुर जनपद के ऐतिहासिक भव्य भवन 'खुसरो बाग' में प्रकृति के नैसर्गिक सौंदर्य के मध्य स्थित इस महाविद्यालय ने शिक्षा के क्षेत्र में दूर-दूर तक अपनी विशिष्ट पहचान बनाई है। सत्रहवीं शताब्दी में प्रथम बार निर्मित एवं 1870 में इंडो यूरोपियन वास्तु शैली में पुनः निर्मित, खुसरो बाग के भव्य भवन में अट्टालिकाएँ, दरबार हाल, बिरजीस पैलेस एवं शीशमहल सम्मिलित थे। ग्रीष्मकालीन महल के रूप में प्रसिद्ध इस भवन में विगत काल में लार्ड कर्जन (भूतपूर्व वायसराय), सर जेम्स (भूतपूर्व गवर्नर संयुक्त प्रॉविन्स), अमीर मीनाई, दाग देहलवी, मुनीर शिकोहाबादी, मुंशी गोविन्द लाल व हकीम अजमल खान जैसी हस्तियों ने प्रवास किया। राजकीय रजा डिग्री कॉलेज का प्रथम शैक्षणिक सत्र कला एवं विज्ञान संकायों में स्नातक स्तर पर अध्यापन हेतु 2 सितम्बर 1949 से प्रारम्भ हुआ। ज्ञान की अविरल धारा के प्रवाह हेतु लक्ष्य सुनिश्चित हुआ।

'असतो मा सद्गमय, तमसो मा ज्योतिर्गमय'।

प्रथम प्राचार्य थे - प्रोफेसर अब्दुल शकूर। 1964 में वाणिज्य संकाय प्रारम्भ हुआ। विषयों की विविधता व शिक्षार्थियों की संख्या को दृष्टिगत करते हुए 1968 में स्नातकोत्तर स्तर पर कला व विज्ञान संकायों में अध्यापन प्रारम्भ हुआ। अपनी गौरवशाली परम्पराओं का निर्वहन करते हुए महाविद्यालय वर्ष 2000 में अपनी स्थापना की स्वर्ण जयन्ती (1949-99) मना चुका है। पिछले वर्षों में उन्नत ज्ञान एवं उत्कृष्ट संस्कारों से सिंचित व पल्लवित अनेक पीढ़ियाँ, दैदीप्यमान नक्षत्रीय प्रतिभाएँ न केवल स्थानीय एवं राष्ट्रीय वरन् अन्तर्राष्ट्रीय पटल पर नवीन कीर्तिमानों व मानदंडों को स्थापित कर संस्था का मान बढ़ा रही हैं।

सहशिक्षण के इस उच्च शिक्षा संस्थान को उत्तर प्रदेश के पहले राजकीय महाविद्यालय होने का गौरव प्राप्त है। पूर्व में आगरा विश्वविद्यालय से सम्बद्ध व सन् 1975 में रूहेलखण्ड विश्वविद्यालय से सम्बद्ध इस महाविद्यालय में कला, विज्ञान एवं वाणिज्य संकायों के अन्तर्गत स्नातक व स्नातकोत्तर कक्षाएँ एवं बी०एड० संकाय में स्नातक कक्षाएँ संचालित की जा रही हैं। सभी स्नातकोत्तर विषयों में शोध सुविधा उपलब्ध है। स्नातक स्तर पर औद्योगिक रसायन (व्यावसायिक पाठ्यक्रम) के अतिरिक्त IGNOU द्वारा अनेक विषयों में विभिन्न पाठ्यक्रम चलाए जा रहे हैं। U.G.C., C.S.I.R., D.S.T. एवं C.S.T. U.P. से अनुदानित अनेक वृहद व लघु शोध परियोजनाएँ महाविद्यालय के उत्कृष्ट शैक्षणिक मानकों का प्रतिबिम्ब हैं। ज्ञानपिपासु, कर्मठ, चरित्रवान, उदारमन आचार्य एक उच्च स्तरीय, ज्ञान संपन्न व संस्कारवान पीढ़ी के निर्माण हेतु समर्पित हैं।

राष्ट्रीय मूल्यांकन एवं प्रत्यायन परिषद् (NAAC) द्वारा सत्र 2018-19 में **तृतीय चरण में B श्रेणी** प्रदत्त इस महाविद्यालय को उत्तर प्रदेश उच्च शिक्षा विभाग द्वारा आदर्श महाविद्यालय के रूप में विकसित करने का निर्णय लिया गया। सत्र 2023-24

में महाविद्यालय ने **NAAC के चतुर्थ चरण के लिए आवेदन किया है।** भावी योजनाओं के रूप में महाविद्यालय को ई० शिक्षा के रूप में 100 % 'स्मार्ट क्लासरूम' के निर्माण हेतु महाविद्यालय प्रयत्नशील है।

सांस्कृतिक विरासत में परिपूर्ण एवं आर्थिक, सामाजिक एवं आध्यात्मिक उपलब्धियों के साक्ष्य रहे इस महाविद्यालय में आपका हृदय से स्वागत है। उच्च नैतिक व शैक्षिक परम्पराओं का निर्वहन करते हुए यह महाविद्यालय सम्पूर्ण प्रदेश में अपने अनुशासन के लिए प्रसिद्ध है। महाविद्यालय एक परिवार है, जहाँ हर शिक्षार्थी, प्रोफेसर एवं कर्मचारी की अपनी एक विशिष्ट पहचान है।

राष्ट्रीय सेवा योजना, रोवर-रेंजर इकाई, एन०सी०सी०, ईको-मैग्नेटिक क्लब, युवा महोत्सव, वाद-विवाद, निबन्ध एवं क्विज प्रतियोगिताओं आदि शिक्षणेत्तर पाठ्यक्रम सहगामी गतिविधियों में प्रतिभागिता कर विद्यार्थी अपने व्यक्तित्व का विकास करते हैं।

ज्ञानार्जन की उच्च सुविधाओं से सम्पन्न एवं गंगा-जमुनी तहजीब की साँझी संस्कृति का प्रतीक यह महाविद्यालय जाति, वर्ग, संप्रदाय से परे एक समृद्ध, प्रगतिशील, उन्नत भारत के निर्माण हेतु कर्मशील, चरित्रवान, उदार, सुयोग्य व श्रेष्ठ नागरिकों की श्रृंखला पल्लवित करने को कृत संकल्प है।

हमें विश्वास है कि महाविद्यालय के छात्र-छात्राएँ (Razarians) अपनी उत्कृष्ट शैक्षणिक पृष्ठभूमि में कीर्तिमानों व उपलब्धियों की एक नई सुनहरी गाथा लिख सकने में समर्थ होंगे। आकाश उनकी सीमा हो जिससे विद्या का यह संस्थान समाज, राष्ट्र एवं विश्व का गौरव बन सके।

शुभकामनाओं सहित।

प्राचार्य

राज० रजा स्ना० महाविद्यालय, रामपुर

रैगिंग

महाविद्यालय में रैगिंग उच्चतम न्यायालय के निर्देशों के परिप्रेक्ष्य में पूर्णतया प्रतिबन्धित / निषिद्ध है। यदि कोई छात्र/छात्रा रैगिंग में संलिप्त पाया गया तो उसके विरुद्ध नियमानुसार अनुशासनात्मक एवं विधिक कार्यवाही सम्पादित की जाएगी।

- आज्ञा से प्राचार्य

महाविद्यालय - एक शब्द चित्र

महाविद्यालय परिसर का क्षेत्रफल- 52,000 वर्ग मीटर

आच्छादित क्षेत्र-11,412 वर्ग मीटर

चारदीवारी परिमाप- 855.60 मीटर

विशेष सूचना: बिना परिचय पत्र के महाविद्यालय परिसर में प्रवेश पूर्णत: वर्जित है।

महाविद्यालय के विभिन्न संकाय (Faculty)

कला और मानविकी संकाय

स्नातक एवं स्नातकोत्तर विषय

1. इतिहास 2. भूगोल 3. अर्थशास्त्र 4. मनोविज्ञान 5. राजनीतिशास्त्र

स्नातक विषय

1. दर्शनशास्त्र 2. समाजशास्त्र 3. शारीरिक शिक्षा

भाषा संकाय

स्नातक एवं स्नातकोत्तर विषय

1. हिन्दी 2. उर्दू 3. अंग्रेजी

स्नातक विषय

1. संस्कृत 2. फारसी

विज्ञान संकाय

स्नातक एवं स्नातकोत्तर विषय

1. रसायन विज्ञान 2. भौतिक विज्ञान 3. जन्तु विज्ञान 4. वनस्पति विज्ञान 5. गणित

स्नातक विषय

1. औद्योगिक रसायन विज्ञान (Industrial Chemistry)

वाणिज्य संकाय

स्नातक एवं स्नातकोत्तर

शिक्षा संकाय

बी०एड०- बीएड में प्रवेश हेतु हेतु प्रदेश स्तर पर आयोजित होने वाले **"Common Entrance Test"** उत्तीर्ण करने के उपरांत विश्विद्यालय द्वारा कॉउंसलिंग के माध्यम से सीट दिए (Allotment) जाने के उपरांत ही पंजीकरण/ प्रवेश हो सकेगा। बी०एड० पाठ्यक्रम की अवधि 2 वर्ष है एवं **यहाँ उपलब्ध सीटों की संख्या 50** है।

शोध अध्ययन (Ph.D.)

महाविद्यालय में कला, विज्ञान तथा वाणिज्य संकाय में शोध एवं एडवांस स्टडीज़ हेतु भी प्रयोगशालाएं एवं अन्य आधुनिक सुविधाएँ उपलब्ध हैं। महाविद्यालय NAAC द्वारा B ग्रेड प्रदत्त है। महाविद्यालय के अनेक प्राध्यापक UGC, DST, CSIR एवं CSTUP द्वारा पोषित योजनाओं के अन्तर्गत शोध कार्य कर रहे हैं। उनके दिशा निर्देशन में उच्च कोटि के शोध कार्य चलाए जा रहे हैं। अब शोधकार्य के लिए पंजीकरण कराने हेतु प्रदेश स्तर पर आयोजित होने वाले "Common Entrance Test" उत्तीर्ण करने के उपरांत ही पंजीकरण हो सकेगा।

इन्दिरा गांधी मुक्त विश्वविद्यालय (इग्नू) अध्ययन केन्द्र Center Code - 27127

महाविद्यालय में संचालित इग्नू अध्ययन केन्द्र पर Diploma, Certificate, UG तथा PG Courses उपलब्ध है जिसमें प्रवेश प्रक्रिया ऑनलाइन होती है ।

www.ignou.ac.in

राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 एवं FYUP (Four Year Undergraduate Program) के अनुक्रम में प्रवेश, पाठ्यक्रम एवं विषय चयन सम्बन्धी दिशा निर्देश

स्नातक के सभी संकायों एवं उसके विषयों में राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 (NEP-2020) के अन्तर्गत सेमेस्टर प्रणाली आधारित पठन-पाठन होगा और यह कुल 6 सेमेस्टर का होगा। सभी स्नातक विषयों में आन्तरिक मूल्यांकन (**Internal Assessment**)- 25 अंक एवं वाह्य मूल्यांकन **(External Assessment**) -75 अंक का होगा ।

1- मुख्य (मेजर) विषय तथा माइनर विषय के इलेक्टिव पेपर

1-1 (अ) विद्यार्थी को प्रवेश के समय एक संकाय (कला, विज्ञान, वाणिज्य आदि) का चुनाव करना होगा और उसे उस संकाय के दो मुख्य (मेजर) विषयों का चुनाव करना होगा। यह संकाय विद्यार्थी का अपना संकाय (Own Faculty) कहलायेगा जिसका अध्ययन वह तीन वर्ष (प्रथम से छठे सेमेस्टर) तक कर सकता है।

(ब) चतुर्वर्षीय स्नातक (मानद) एवं स्नातक (मानद शोध सहित) के लिए चतुर्थ वर्ष में विद्यार्थी उपरोक्त दो मेजर विषयों में से किसी एक विषय का चयन करेगा तथा पंचम व षष्टम् वर्ष में भी उसी विषय को पढ़ेगा।

(स) तीन वर्षीय स्नातक के बाद विद्यार्थी किसी नये विषय में परास्नातक में प्रवेश ले सकता है. (जिसमें prerequisite के हिसाब से वह अर्ह है), परन्तु एक वर्ष की परास्नातक की पढ़ाई के बाद उसे कोई डिग्री अथवा डिप्लोमा नहीं मिलेगा। दो वर्ष पूरे उत्तीर्ण करने पर ही उसे उस विषय में परास्नातक की डिग्री मिलेगी।

(द) त्रिवर्षीय स्नातक के अध्ययन के बाद चतुर्वर्षीय डिग्री के लिए भी, छात्र को उस विषय में परास्नातक में नया प्रवेश लेना होगा जो कि विश्वविद्यालय में प्रचलित प्रवेश प्रक्रिया के अनुरूप परास्नातक की उपलब्ध सीटों पर किया जायेगा।

1-2 तीसरे गौण (माइनर) विषय का चुनाव विद्यार्थी अपने संकाय अथवा बहुविशयकता के लिए किसी भी अन्य संकाय से महाविद्यालय में उपलब्धता के आधार पर कर सकता है।

1-3 विद्यार्थी द्वितीय / तृतीय वर्ष में मुख्य विषय बदल सकता है अथवा उनके क्रम में परिवर्तन कर सकता है।

1-4 छात्र को महाविद्यालय में विषयों की उपलब्धता के आधार पर नियमानुसार विषय परिवर्तन की सुविधा होगी, परन्तु वह एक वर्ष के बाद ही विषय परिवर्तित कर सकता है, एक सेमेस्टर के बाद नहीं।

1-5 तीसरे गौण (माइनर) विषय का कोर्स किसी भी विषय का पेपर (4/5/6 क्रेडिट) होगा न कि पूर्ण विषय इस कोर्स के चुनाव में Pre-requisite ध्यान रखा जाना चाहिये। विश्वविद्यालय द्वारा अपने स्तर यह निर्धारित किया जा सकता हैं कि कौन सा कोर्स माइनर के रूप में दिया जा सकता है।

2. कौशल विकास कोर्स (Vocational / Skill development Courses)

2.1 स्नातक स्तर के प्रत्येक विद्यार्थी को प्रथम दो वर्षों (प्रथम तीन सेमेस्टरर्स) में प्रत्येक सेमेस्टर में 3 क्रेडिट का एक कौशल विकास कोर्स (3X3 = 9 क्रेडिट के कुल तीन पाठ्यक्रम) करना अनिवार्य होगा।

2.2 कौशल विकास कोर्स उत्तर प्रदेश शासनादेश संख्या 1909 / सत्तर-3-2021 दिनांक 18 अगस्त 2021 में दिये गये प्रावधानों के अनुसार चलाए जाएं ।

2.3 यदि विद्यार्थी यू०जी०सी० अथवा केन्द्र अथवा राज्य सरकार से मान्यता प्राप्त संस्था से कोई ऑनलाइन अथवा ऑफलाइन कौशल विकास कोर्स तीन या उससे अधिक क्रेडिट का करता है, तो उसे उतने ही क्रेडिट प्रदान कर दिए जायेंगे। स्नातक के लिए उसे कुल 9 क्रेडिट अर्जित करने हैं जो वह कम अथवा नियमित अधिकतम समय में पूरे कर सकता है।

3. सह-पाठ्यक्रम / कोर्स (Co-Curricular Courses)

3.1 स्नातक स्तर के प्रत्येक विद्यार्थी को प्रथम दो वर्षों (चार सेमेस्टरर्स) के प्रत्येक सेमेस्टर में दो क्रेडिट का एक सह-पाठ्यक्रम / कोर्स करना अनिवार्य होगा अर्थात कुल 8 क्रेडिट (4 कोर्स से) अर्जित करने होंगे।

3.2 इन सह-पाठ्यक्रम courses की परीक्षा वस्तुनिष्ठ प्रश्नपत्र द्वारा करायी जायेगी। इनमें उत्तीर्ण प्रतिशत यही होगा जो मुख्य व माइनर विशय के पेपरर्स में होगा तथा इनमें प्राप्त ग्रेड्स को सी०जी०पी०ए० की गणना में सम्मिलित किया जायेगा।

3.3 तृतीय सेमेस्टर में एक भारतीय अथवा स्थानीय भाषा का सह-पाठ्यक्रम कोर्स अनिवार्य रूप से चलाया जायेगा। अतः अनिवार्य सह-पाठ्यक्रम कोर्सेस में से एक भारतीय / स्थानीय भाषा का कोर्स करना अनिवार्य होगा।

4. शोध परियोजना (Research Project)

4.1 स्नातक स्तर पर द्वितीय वर्ष के बाद ग्रीष्मावकाश में विद्यार्थी अपने चुने गए दो मुख्य विषयों में से किसी एक विषय से संबंधित तीन क्रेडिट की एक शोध परियोजना करेगा। ग्रीष्मावकाश में पूर्ण न होने की स्थिति में यह शोध परियोजना तृतीय वर्ष के पंचम सेमेस्टर में भी की जा सकती है किन्तु द्वितीय वर्ष उक्त शोध परियोजना को उत्तीर्ण करने पर ही पूर्ण माना जाएगा ।

4.2 स्नातक चतुर्थ वर्ष अथवा स्नातकोत्तर प्रथम वर्ष के दोनों सेमेस्टर्स में मिलाकर विद्यार्थी चार चार क्रेडिट के दो कोर्स के स्थान पर एक शोध परियोजना ले सकता है। यह शोध परियोजना एक सप्तम एवं एक अष्टम सेमेस्टर के थ्योरी कोर्स के स्थान पर लेने होंगे ना कि किसी एक सेमेस्टर के दो कोर्स के स्थान पर स्नातक चतुर्थ वर्ष में शोध सहित उत्तीर्ण होकर जाने वाले विद्यार्थी को स्नातक (मानद शोध सहित) की उपाधि दी जाएगी ।

4.3 स्नातकोत्तर द्वितीय वर्ष (उच्च शिक्षा का पंचम वर्ष) में अनिवार्य रूप से एक शोध परियोजना करनी होगी जो कि नवम एवं दशम सेमेस्टर में चार चार क्रेडिटस की होगी।

4.4 पी.जी.डी.आर. में चार क्रेडिट की शोध परियोजना का स्वरुप विश्वविद्यालय अपने प्री-पीएच. डी. कोर्स वर्क के अनुसार निर्धारित करेगा। स्नातक (मानद शोध सहित) उपाधि प्राप्तकर्ता बिना परास्नातक पूर्ण किये भी पीएच० डी० प्रवेश में प्रवेश प्रक्रिया जैसे प्रवेश परीक्षा एवं साक्षात्कार इत्यादि के लिए अर्ह होगा।

4.5 शोध परियोजना एक शिक्षक सुपरवाईजर के निर्देशन में की जायेगी. एक अन्य को-सुपरवाईजर किसी उद्योग / कम्पनी तकनीकि संस्थान / शोध संस्थान से लिया जा सकता है ।

4.6 यह शोध परियोजना इन्टरडिस्प्लिनरी / मल्टी डिस्प्लिनरी भी हो सकती है। यह शोध परियोजना इन्डसट्रियल ट्रेनिंग / इन्टर्नशिप / सर्वे वर्क इत्यादि के रूप में भी हो सकती है। स्नातक स्तर पर विद्यार्थी द्वितीय वर्ष के पश्चात की गई शोध परियोजना की रिपोर्ट विश्वविद्यालय / महाविद्यालय में जमा करेगा।

4.7 स्नातकोत्तर स्तर पर विद्यार्थी वर्ष के अंत में दोनों सेमेस्टर में की गई शोध परियोजना का संयुक्त प्रबंध (Report/Dissertation) विश्वविद्यालय / महाविद्यालय जमा करेगा।

4.8 उपरोक्त सभी शोध परियोजनाओं का मूल्यॉकन सुपरवाईजर एवं विश्वविद्यालय द्वारा नामित वाह्य परीक्षक द्वारा संयुक्त रूप से 100 अंकों में से किया जायेगा।

4.9 स्नातक, स्नातक (मानद शोध सहित) स्नातकोत्तर एवं पी.जी.डी.आर. के विद्यार्थी की ग्रेड शीट पर शोध परियोजना के प्राप्तांको पर आधारित ग्रेड अंकित होगे तथा उन्हें सी.जी.पी.ए. की गणना में भी सम्मलित किया जायेगा।

4.10 तीन वर्ष में विद्यार्थी जिस संकाय के दो मुख्य विषयों में न्यूनतम् 60 प्रतिशत क्रेडिट प्राप्त करेगा, उसी संकाय में उसे डिग्री दी जायेगी और विश्वविद्यालय नियमानुसार स्नातकोत्तर में प्रवेश की सुविधा होगी। जैसे यदि विद्यार्थी तीन वर्ष में किसी एक संकाय में दो मुख्य विषयों के कुल केडिट का न्यूनतम् 60 प्रतिशत क्रेडिट (88 का 60 प्रतिशत अर्थात 53 क्रेडिट) प्राप्त नहीं कर पाता है. तो उसे बैचलर आफ लिबरल ऐजूकेशन की डिग्री दी जायेगी तथा वह उन विषयों में स्नातकोत्तर कर सकेगा जिनमें स्नातक स्तर पर किसी विशय के प्रीरिक्वजाइट (prerequisite) की आवश्यकता नहीं होगी।

4.11 विद्यार्थी न्यूनतम 40 क्रेडिट अर्जित करने पर एक वर्षीय सर्टिफिकेट, न्यूनतम 80 क्रेडिट अर्जित करने पर द्विवर्षीय डिप्लोमा तथा न्यूनतम 120 क्रेडिट अर्जित करने पर त्रिवर्षीय स्नातक डिग्री ले सकता है। इससे आगे विद्यार्थी न्यूनतम 100 कॅजिट अर्जित करने पर चर्तुवर्षीय स्नातक (मानद), अथवा स्नातक मानद शोध सहित) डिग्री न्यूनतम 200 क्रेडिट अर्जित करने पर स्नातकोतर डिग्री तथा न्यूनतम 215 क्रेडिट अर्जित करने पर पी जी ले सकता है।

4.12 त्रिवर्षीय स्नातक डिग्री के पश्चात विश्वविद्यालय / महाविद्यालय में संसाधन की उपलब्धता होने पर विद्यार्थी एक वर्ष की 40 क्रेडिट की इंटर्नशिप Apprenticeship NATS या समकक्ष / समतुल्य से कर सकता है। यह इंटर्नशिप विद्यार्थी महीने की दो अथवा 4 महीने की तीन अथवा 3 महीने की चार भागों में भी कर सकता है। यह इटर्नशिप विश्वविद्यालय / महाविद्यालय के मार्गदर्शन में सहयोगी संस्था / इन्डस्ट्री से की जायेगी 40 क्रेडिट (1200 घंटे) की इस इंटर्नशिप के पश्चात विद्यार्थी को स्नातक (इंटर्नशिप /Apprenticeship सहित) की उपाधि दी जायेगी।

5. संकाय का चयन (Selection of Faculty)

स्नातक में प्रवेश के समय विद्यार्थी को सर्वप्रथम एक संकाय का चुनाव करना होगा जैसे विज्ञान/कला/वाणिज्य आदि। यह संकाय विद्यार्थी का अपना संकाय कहलायेगा, जिसमें वह तीन वर्ष (प्रथम से छठे सेमेस्टर) तक अध्ययन करेगा।

महाविद्यालय में उपलब्ध संकाय (Faculties available in college)

1. कला संकाय
2. भाषा संकाय
3. विज्ञान संकाय (बायो अथवा मैथ)
4. वाणिज्य संकाय

मुख्य विषयों का चयन (Selection of Major Subjects)

स्नातक स्तर पर कुल दो मुख्य विषयों का अध्ययन करना होगा, जिसमें से दो मुख्य (Major) विषय M1 व M2 उसके चुने हुए संकाय के होंगे इस व्यवस्था के लिये संकायों का निर्धारण शासनादेश 15 जून 2021 के अनुसार होगा।

विषयों का चयन (Selection of Minor Subject)

महाविद्यालय में उपलब्ध विषयों की सूची (List of Subjects available in college)

कला संकाय (Faculty of Arts)	भाषा संकाय (Faculty of Language)	विज्ञान संकाय (Faculty of Science)	वाणिज्य संकाय (Commerce Faculty)
Economics	English Literature	Botany	Business Organization
Geography	Hindi Literature	Zoology	Business Statistics
History	Persian	Physics	Business Communication
Philosophy	Sanskrit	Mathematics	
Physical Education	Urdu	Chemistry	
Political Science		Industrial Chemistry	
Psychology			
Sociology			

		Semester	Subject 1	Subject 2	Subject 3	Vocational	Co-curricular
	Year		Own Faculty	Own Faculty	Any Faculty		
Certificate (40 Credit)	1	Ist	Major 1	Major 2	Minor	Vocational 1	Co-curricular 1
		IInd	Major 1	Major 2	Minor	Vocational 2	Co-curricular 2
Diploma (40 Credit)	2	IIIrd	Major 1	Major 2	Minor	Vocational 3	Co-curricular 3 (Language)
		Ivth	Major 1	Major 2	Minor		Co-curricular 4
Degree (40 Credit)	3	Vth	Major 1	Major 2			
		VIth	Major 1	Major 2			

Uttar Pradesh NEP-2020 UG-PG course structure aligned with FYUGP of UGC

Table 1: (To be in effect from 2024-25 Session)

{Cummulative Minimum Credits} Required f... Award o... Certifica... Diplo... Degr...			Subject I	Subject II	Subject III	Vocational Skill Enhancement Courses (SEC) with Summer Internship	Co-Curricular Ability / Enhancement Courses (AEC)	Research Project / Dissertation / Internship/ Field or survey work	{Minimum Credits} For the year & NCrF Credit Level
			Major (core)	Major (core)	Minor Multidisciplinary	Minor	Minor	Major	
			4/5/6 Credits	4/5/6 Credits	4/5/6 Credits	3 Credits	2 Credits	3/4 Credits	
	Year	Sem.	Own Faculty	Own Faculty	Any Faculty	Vocational Skill Enhancement Courses (SEC) with Summer Internship	Co-Curricular Ability / Enhancement Courses (AEC)	Inter/Intra Faculty related to main Subject	
[illegible] ...ficate in ...aculty	1	I	Th-1(6) or Th-1(4)+ Pract-1(2)	Th-1(6) or Th-1(4)+ Pract-1(2)	1 (4/5/6)	1(3)	1(2)		40 Level 4.5
		II	Th-1(6) or Th-1(4)+ Pract-1(2)	Th-1(6) or Th-1(4)+ Pract-1(2)		1(3)	1(2)		
{40+40=80} Diploma in Faculty	2	III	Th-1(6) or Th-1(4)+ Pract-1(2)	Th-1(6) or Th-1(4)+ Pract-1(2)	1 (4/5/6)	1(3)	1(2)or Extra Curr*		40 Level 5
		IV	Th-1(6) or Th-1(4)+ Pract-1(2)	Th-1(6) or Th-1(4)+ Pract-1(2)			1(2) (Indian/Local Language)	1(3)*	
{80+40=120} 3-year UG Degree	3	V	Th-2(5) or Th-2(4)+ Pract-1(2)	Th-2(5) or Th-2(4)+ Pract-1(2)					40 Level 5.5
		VI	Th-2(5) or Th-2(4)+ Pract-1(2)	Th-2(5) or Th-2(4)+ Pract-1(2)					
					Fourth Year				
*Apprenticeship / Internship embedded UG degree programme	4	12 Months Apprenticeship/ Internship through NATS or from equevelent organization/ Industry/institute				1 (40) 1200 hours			40 Level 6
					OR				
{120+40=160} 4-year UG Degree (Honours)	4	VII	Th-5(4) or Th-4(4)+ Pract-1(4)						40 Level 6
		VIII	Th-5(4) or Th-4(4)+ Pract-1(4)						
					OR				
{120+40=160} 4-year UG Degree (Honours with Research)	4	VII	Th-4(4) or Th-3(4)+ Pract-1(4)		Students who secure 75% marks in the first 6 semesters			1 (4)	40 Level 6
		VIII	Th-4(4) or Th-3(4)+ Pract-1(4)					1 (4)	
200 Master in Faculty	5	IX	Th-4(4) or Th-3(4)+ Pract-1(4)					1 (4)	40 Level 6.5
		X	Th-4(4) or Th-3(4)+ Pract-1(4)					1 (4)	
{216} PGDR in Subject	6	XI	Th-4(2)	1 (4)Research Methodology				1 (4)	16 Level 6.5
Ph.D. in Subject	6,7,8	XII-XVI						Ph. D. Thesis	Level 8

विश्विद्यालय के प्रवेश संबंधी नियम:

1. उत्तर प्रदेश शैक्षणिक संस्थाओं में प्रवेश (अनुसूचित जातियों, अनुसूचित जनजातियों, और अन्य पिछड़ा वर्ग के लिए आरक्षण) अधिनियम 2006 (उत्तर प्रदेश अधिनियम संख्या-23 सन 2006) की धारा 4 के अधीन भारत का संविधान के अनुच्छेद 30 के खण्ड (1) में निर्दिष्ट अल्पसंख्यक संस्थाओं से भिन्न शैक्षणिक संस्थानों जिसके अंतर्गत निजी शैक्षणिक संस्थाएं भी हैं चाहे वे सहायता प्राप्त हों या गैर सहायता प्राप्त हों, में किसी शैक्षिक वर्ष में प्रवेश हेतु स्वीकृत अन्तर्ग्रहण के सापेक्ष अनुसूचित जातियों, अनुसूचित जनजातियों और नागरिकों के अन्य पिछड़े वर्गों के व्यक्तियों के लिए प्रवेश के स्तर पर **निम्नलिखित स्तर पर आरक्षण की व्यस्था है :**

(क) अनुसूचित जाति के अभ्यर्थियों के लिए: प्रत्येक पाठ्यक्रमवार समस्त सीटों का 21 प्रतिशत

(ख) अनुसूचित जन जाति के अभ्यर्थियों के लिए: प्रत्येक पाठ्यक्रमवार समस्त सीटों का 2 प्रतिशत

(ग) नागरिकों के अन्य पिछड़े वर्ग के अभ्यर्थियों के लिए: प्रत्येक पाठ्यक्रमवार समस्त सीटों का 27 प्रतिशत

2. अतः उक्त के दृष्टिगत उत्तर प्रदेश शैक्षणिक संस्थानों में प्रवेश (अनुसूचित जातियों अनुसूचित जनजातियों एवं अन्य पिछड़े वर्गों के लिए आरक्षण) अधिनियम 2006 (उत्तर प्रदेश अधिनियम संख्या 23 सन 2006 की धारा 12 में प्रदत्त शक्ति का प्रयोग करके राज्यपाल महोदय अल्पसंख्यक संस्थाओं तथा मा० उच्च न्यायालय के उक्ता रिट याचिका में पारित अन्तिम आदेश तक निजी संस्थाओं को छोड़कर सहायता प्राप्त अशासकीय महाविद्यालयों संस्थाओं एवं राजकीय महाविद्यालयों संस्थाओं में संचालित व्यावसायिक पाठ्यक्रमों में उपरोक्तानुसार आक्षण तथा उक्त के अतिरिक्त निम्नांकित श्रेणी के अभ्यर्थियों के सम्मुख विवरणानुसार क्षैतिज प्रकृति का आरक्षण लागू किए जाने का आदेश प्रदान करते है-

(क) स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों के आश्रितों के लिए	प्रत्येक पाठ्यक्रमानुसार प्रवेश सीटों का अधिकतम 2 प्रतिशत
(ख) उत्तर प्रदेश के सेवानिवृत्त अथवा अपंग, समस्त रक्षा कर्मियों अथवा युद्ध में मारे गए रक्षा कर्मियों अथवा उत्तर प्रदेश में तैनात रक्षा कर्मियों के पुत्र/पुत्रियों के लिए	प्रत्येक पाठ्यक्रमानुसार प्रवेश सीटों का अधिकतम 5 प्रतिशत
(ग)शारीरिक रूप से निशक्तजनों के लिए	प्रत्येक पाठ्यक्रमानुसार प्रवेश सीटों का अधिकतम 3 प्रतिशत
(घ) महिलाओं के लिए	प्रत्येक पाठ्यक्रमानुसार प्रवेश सीटों का अधिकतम 20 प्रतिशत

उपरोक्त प्रत्येक क्षैतिज आरक्षण श्रेणी के अंतर्गत चयनित अभ्यर्थियों को अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति/ अन्य पिछडा वर्ग सामान्य श्रेणियों में से उसी श्रेणी में रखा जायेगा, जिससे यह सम्बंधित है।

आरक्षण का लाभ केवल उत्तर प्रदेश में निवास करने वाले अभ्यर्थियों को ही मिलेगा। आरक्षण का लाभ प्राप्त करने हेतु अभ्यर्थी के पास उत्तर प्रदेश सरकार के सक्षम प्राधिकारी द्वारा निर्गत आरक्षण प्रमाण पत्र होना चाहिये। अन्य पिछडा वर्ग (OBC) के अभ्यर्थियों के पास उक्त प्रमाण पत्र तीन वर्ष से ज्यादा पुराना नहीं होना चाहिये

3. आरक्षण का लाभ केवल उत्तर प्रदेश में निवास करने वाले अभ्यर्थियों को ही मिलेगा। आरक्षण का लाभ प्राप्त करने हेतु अभ्यर्थी के पास उत्तर प्रदेश सरकार के सक्षम प्राधिकारी द्वारा निर्गत आरक्षण प्रमाण पत्र होना चाहिये। अन्य पिछडा वर्ग के अभ्यर्थियों के पास उक्त प्रमाण पत्र तीन वर्ष से ज्यादा पुराना नहीं होना चाहिये।
4. शासनादेश संख्या 192/सत्तर-7-2019-बी.एड. (00)/2014 टी.सी. दिनांक 29.05.2019 एवं शासनादेश संख्या 1/2019/4/1/2002/का-2/19 टी.सी. दिनांक 18.02.2019 के अनुरूप उत्तर प्रदेश के निवासी सामान्य वर्ग के आर्थिक रूप से कमजोर श्रेणी के अभ्यर्थियों को कुल सीटों की 10 प्रतिशत पर प्रवेश दिया जा सकेगा। उक्त सीटें कुल स्वीकृत सीटों के अतिरिक्त होगी एवं 'EWS श्रेणी के अभ्यर्थी उपलब्ध न होने की स्थिति में उक्त सीटें रिक्त रखी जायेंगी एवं उन अतिरिक्त सीटों पर अन्य श्रेणी के अभ्यर्थियों का प्रवेश अनुमन्य नहीं होगा। ऐसे अभ्यर्थियों को 'EWS' श्रेणी का लाभ प्राप्त करने हेतु सक्षम प्राधिकारी द्वारा निर्गत 'EWS' श्रेणी का प्रमाण पत्र प्रस्तुत करना होगा।
5. शासनादेश संख्या 4004/15-11-88-31581/79 दिनांक 29 जून, 1988 के अनुरूप उत्तर प्रदेश से बाहर के प्रान्तों के अधिकतम 05 प्रतिशत छात्रों को मेरिट सूची के आधार पर अर्ह होने की दशा में प्रवेश दिया जा सकता है।
6. **प्रवेश के लिये ज्येष्ठता सूची तैयार करते समय प्रतिवर्ष के अन्तराल के 02% अंक घटाकर प्रवेश योग्यता सूची (मेरिट) तैयार की जायेगी।**
7. ऐसा कोई छात्र स्नातक पाठ्यक्रम के प्रवेश के लिये पात्र नहीं होगा जिसने 10+2 अथवा समकक्ष परीक्षा उत्तीर्ण नहीं की हो। स्नातकोत्तर कक्षाओं में प्रवेश हेतु 10+2+3 परीक्षा उत्तीर्ण करना अनिवार्य है।
8. प्रवेश हेतु तैयार की गयी मेरिट सूची में निम्न विशिष्ट योग्यताओं के अतिरिक्त भारांक प्रदान किये जायेंगे-

अ	1	राष्ट्रीय अथवा अन्तर विश्वविद्यालय खेलकूद प्रतियोगिता में भागीदारी और खेलकूद में विशिष्ट उपलब्धियों के लिये भारांक	10 अंक
	2	विश्वविद्यालय टीम में प्रतिनिधित्व	05 अंक
ब		विश्वविद्यालय टीम में प्रतिनिधित्य विश्वविद्यालय / सम्बद्ध महाविद्यालय के (सेवारत सेवानिवृत्त) कर्मचारियों के पुत्र/पुत्री/पति/पत्नी	10 अंक
स	1	एन.सी.सी. के 'सी प्रमाण पत्र अथवा 'जी' प्रमाण पत्र	10 अंक
	2	बी' और 'जी-1 प्रमाण पत्र के लिये	05 अंक
द	1	एन.एस.एस. के दो शिविर पूर्ण करने तथा 240 घंटे की सेवायें	10 अंक
	2	एन.एस.एस. का एक शिविर तथा 240 घंटे की सेवायें	05 अंक
य	1	12वीं कक्षा स्तर तक स्काउट/गाईड तृतीय सोपान परीक्षा उत्तीर्ण करने पर	05 अंक
	2	प्रदेश के राज्यपाल द्वारा पुरस्कृत	10 अंक
	3	भारत के राष्ट्रपति द्वारा पुरस्कृत	10 अंक
	4	रोवर्स / रेंजर्स निपुण परीक्षा उत्तीर्ण	05 अंक

नोट- किसी भी स्थिति में किसी भी छात्र को 10 अंक से अधिक भारांक नहीं दिये जायेंगे। शैक्षिक योग्यता के आधार पर प्रदत्त श्रेणी की मान्यता यथावत रहेगी अर्थात भारांक के आधार पर प्रभावित नहीं होगी। स्नातकोत्तर स्तर पर प्रवेश हेतु मात्र स्नातक स्तरीय क्रीड़ा प्रतियोगिता के सापेक्ष भारांक ही अनुमन्य होगे।

9. स्पोर्टस कोटे के अन्तर्गत राष्ट्रीय अथवा अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर एक खिलाडी के प्रवेश हेतु आवश्यक प्रमाण पत्र प्रस्तुत करने पर कुलपति महोदय द्वारा प्रवेश हेतु विशेष अनुमति दी जा सकती है परन्तु यह नियम प्रवेश परीक्षा के माध्यम से सम्पन्न होने वाले प्रवेश पर लागू नहीं होगी अर्थात जहाँ प्रवेश परीक्षा के माध्यम से प्रवेश किये जायेंगे, उन पर प्रवेश के लिये कुलपति अनुमति नहीं देंगे।

   स्पष्टीकरण-बी.एड. कक्षा में प्रवेश राज्य सरकार और एन सी टी ई द्वारा निर्धारित नियमों के अनुसार होगा। बी.एड. पाठ्यक्रम के प्रवेश पर स्पोर्टस कोटा मान्य नहीं होगा।

   परास्नातक कक्षा में प्रवेश हेतु उसी विषय में प्रवेश लिया जा सकेगा जिन विषयों में उसने स्नातक की उपाधि प्राप्त की हो एवं अंतिम वर्ष में जो विषय चुने गये हो। परास्नातक कक्षा में प्रवेश हेतु योग्यता सूची छात्र के स्नातक के तीनों वर्ष के प्राप्तांक (प्रायोगिक परीक्षा को छोडकर) को सम्मिलित करते हुये योग्यता सूची तैयार की जायेगी

10. प्रत्येक वर्ग/विषय से इंटरमीडिएट (कक्षा 12) उत्तीर्ण करने वाले छात्रो को वाणिज्य संकाय के स्नातक प्रथम सेमेस्टर / वर्ष में प्रवेश स्वीकृत किये जायेंगे।
11. प्राचार्य किसी भी छात्र को संस्था के हित में एवं अनुशासन बनाने के उद्देश्य के लिये बिना कारण बताये प्रवेश के लिये मना कर सकते हैं। किसी भी छात्र का प्रवेश नियमों के विपरीत पाये जाने पर कुलपति/प्राचार्य उसके निरस्त कर सकते हैं।
12. जो भी छात्र संस्थागत रूप में प्रवेश लेता है और यह कहीं पर सरकारी या गैर सरकारी नौकरी कर रहा है। तो वह अपने नियोक्ता से अनापत्ति प्रमाण पत्र प्रस्तुत करेगा और साथ ही साथ पाठ्यक्रम की अवधि के दौरान छुट्टी लेगा अन्यथा की स्थिति में प्रवेश निरस्त कर दिया जायेगा। यदि वह तथ्य छुपाता है और अध्ययन के दौरान विश्वविद्यालय/महाविद्यालय के संज्ञान में बात आती है। तो उसे परीक्षा में सम्मिलित नहीं किया जायेगा।
13. एम.ए कक्षा में 10 प्रतिशत सीटें नॉन स्ट्रीम के लिये आरक्षित होंगी। नॉन स्ट्रीम के अन्तर्गत भूगोल, मनोविज्ञान आदि विषयों में प्रवेश मान्य नहीं होंगे एम.ए. नॉन स्ट्रीम के अन्तर्गत प्रवेश हेतु विज्ञान, वाणिज्य, विधि के स्नातक के छात्र ही मान्य होंगे। अर्थात् बी.ए. उत्तीर्ण छात्र नॉन स्ट्रीम के अन्तर्गत नहीं आयेगा। यदि किसी छात्र ने बी.ए. तृतीय वर्ष में अमुक विषय नहीं पढ़ा है तो यह अमुक विषय के लिये स्ट्रीम, नॉन स्ट्रीम दोनों में मान्य नहीं होगा।
14. **प्रवेश नियमावली में जहाँ-जहाँ न्यूनतम अंकों को योग्यता के लिये निर्धारित किया गया है उनमें कोई शिथिलता प्रदान नहीं की जायेगी अर्थात यदि प्रवेश हेतु 45 प्रतिशत अंक मान्य है तो 44.9 प्रतिशत अंक मान्य नहीं होगे।**

विश्वविद्यालय अनुदान आयोग एव ए. आई. यू से मान्यता प्राप्त दूरस्थ शिक्षा प्राप्त कराने के उद्देश्य स्थापित समस्त मुक्त विश्वविद्यालयों से उत्तीर्ण छात्र/छात्राओं को प्रवेश हेतु अर्ह माना जाये।

स्नातक प्रथम वर्ष में प्रवेश (NEP 2020 अनुसार) हेतु दिशा निर्देश (सत्र 2024-25)

1. स्नातक प्रथम वर्ष में सभी प्रवेश विश्वविद्यालय के नियम व नई शिक्षा नीति के 2020 (NEP 2020) अनुसार सेमेस्टर पद्धति(Semester System) में ही संपन्न किए जाएंगे।
2. स्नातक प्रथम वर्ष में प्रवेश हेतु इच्छुक अभ्यर्थियों को सर्वप्रथम विश्वविद्यालय की वेबसाइट https://admission.mjpruiums.in/(S(piuvhxaoyaxu2son2sf4m0vm))/Online/Registration_PersonalInfo.aspx पर रजिस्ट्रेशन कराना होगा जिसमें अभ्यर्थी को 10 इच्छित महाविद्यालय को चुनना होगा।
3. विश्वविद्यालय पर रजिस्ट्रेशन करने के उपरांत महाविद्यालय में प्रवेश हेतु इच्छुक अभ्यर्थियों को महाविद्यालय की वेबसाइट (www.grpgcrampur.com) पर भी रजिस्ट्रेशन (Link - http://www.grpgcrampur.com/Candidate/Registration कराना अनिवार्य है अन्यथा आप के प्रवेश पर कोई विचार नहीं किया जाएगा।
4. **अभ्यर्थी को विश्वविद्यालय आवेदन फॉर्म व महाविद्यालय रजिस्ट्रेशन की रसीद अपने पास ही सुरक्षित रखनी हैं**, तथा मेरिट में नाम आने के पश्चात प्रवेश के समय प्रवेश फार्म एवं अन्य सभी प्रमाण पत्रों की छायाप्रति के साथ जमा करनी होगी।
5. **मेरिट लिस्ट (Merit List) महाविद्यालय की वेबसाइट पर प्रकाशित की जाएगी।** मेरिट लिस्ट लिए महाविद्यालय की वेबसाइट/समाचार पत्र/महाविद्यालय नोटिस बोर्ड को निरंतर देखते रहें, किसी मैसेज का इंतजार ना करें।
6. मेरिट में नाम आने के उपरांत अभ्यर्थी को अपने समस्त मूल प्रमाण पत्रों के साथ प्रवेश समिति के समक्ष साक्षात्कार के लिए उपस्थित होना होगा।
7. प्रवेशार्थी प्रवेश फॉर्म पर सभी सूचनाएं सही-सही अंकित करे तथा सूचना से संबंधित उपयुक्त प्रमाण पत्र भी प्रवेश के समय जमा करने होंगे ।विशेषत: विषय का चयन सावधानी से करें बाद में विषय परिवर्तन संभव नहीं होगा।
8. **रजिस्ट्रेशन फॉर्म भरते समय, अभ्यर्थी को अंक तालिका (Mark Sheet) पर प्रदर्शित सभी विषयों को शामिल करते हुए प्राप्तांक/ पूर्णांक लिखने हैं (Best of five का सिद्धांत लागू नहीं होगा)।**
9. **यूपी बोर्ड आदि बोर्ड की अंक तालिका जिनमें प्राप्तांक तथा अधिकतम पूर्णांक अंकित होते हैं वहां अंकित प्राप्तांक ही मान्य हैं।**
10. परीक्षा शुल्क (Exam Fee) यूनिवर्सिटी द्वारा ऑनलाइन परीक्षा फॉर्म (Online Exam form) का आवेदन करते वक्त लिया जाएगा।

11. **बीए (B.A.) व बीकॉम (B.Com.) में किसी भी नॉन स्ट्रीम (Non Stream) को प्रवेश हेतु मेरिट लिस्ट (Merit List) तैयार करते समय 5% अंकों की कटौती की जाएगी**
12. बीएससी मैथ में केवल उन्हीं को प्रवेश दिया जाएगा जो प्रवेशार्थी इंटरमीडिएट में फिजिक्स, केमिस्ट्री ,मैथ (PCM) में उत्तीर्ण (Pass) है। जो **प्रवेशार्थी फिजिक्स, केमिस्ट्री और मैथ में से किसी भी विषय में अनुत्तीर्ण (Fail) है तो उन्हें बीएससी मैथ में प्रवेश देने पर कोई विचार नहीं किया जाएगा।**
13. **बीएससी बायो वर्ग में उन्ही प्रवेशार्थियों को प्रवेश दिया जाएगा जो इंटरमीडिएट में जीव विज्ञान, फिजिक्स, केमिस्ट्री (PCB) में उत्तीर्ण (Pass) है।**
14. **आपका नाम मेरिट लिस्ट में आना प्रवेश की गारंटी नहीं है आपका प्रवेश आपके सभी प्रमाण पत्रों, अंक पत्रों की जांच होने के उपरांत ही सुनिश्चित माना जाएगा ।**
15. **अगर प्रवेशार्थी द्वारा अपलोड किए गए प्रमाण पत्रों तथा फार्म में अंकित सूचना में कोई विसंगति पाई जाती है तो उसका प्रवेश निरस्त कर दिया जाएगा।**
16. प्रवेशार्थी द्वारा दी गई ऑनलाइन सूचना एवं उससे संबंधित प्रस्तुत प्रमाण पत्रों में यदि कोई विसंगति पाई जाती है तो उसका प्रवेश निरस्त कर दिया जाएगा। इसके लिए समस्त उत्तरदायित्व प्रवेशार्थी का होगा।

आवेदन पत्र के साथ संलग्न करें- (Documents required with Admission Form)-

1. College Admission Form
2. University Registration form
3. College Fee Slip
4. College ID card
5. 10th mark sheet/ certificate
6. 12th mark-sheet/ certificate
7. Aadhar card
8. TC (Transfer Certificate) *Original*
9. CC (Character Certificate) *Original*
10. Caste certificate (If applicable)
11. EWS certificate (If applicable)
12. Weightage certificate (If applicable)
13. Gap CC *Original* (Issued by a Gazetted officer)
14. Gap Undertaking
15. Anti-ragging declaration

***Note: Don't submit migration at the time of admission. Migration will be submitted at the time of examination form submission at the College. ***

महाविद्यालय के विभिन्न संकायों में उपलब्ध सीटों की संख्या:

Statistics of Admission seat							
B.A. (Arts Group)	1360 + 136 (EWS)						
Vertical	Unreserved	Girls	Ex-Army	Freedom Fighter Dep.	Handicapped	Non-Stream	Total
General /Unreserved	476	136	34	14	20	0	680
O.B.C.	258	73	18	7	11	0	367
S.C.	200	57	14	6	9	0	286
S.T.	19	5	1	1	1	0	27
B.Com. (Commerce)/ B.Sc. (Biology Group)/ B.Sc. (Mathematics Group)	320 + 32 (EWS)						
General/ Unreserved	112	32	8	3	5	0	160
O.B.C.	61	17	4	2	3	0	87
S.C.	48	13	3	1	2	0	67
S.T.	5	1	0	0	0	0	6
M.A. - Hindi, English, History, Political Science, Urdu, Economics, Psychology, Geography							
M.A. (Each Subject) & M.Com.	80 + 8 (EWS)						
General/ Unreserved	28	8	2	1	1	0	40
O.B.C.	16	4	1	0	1	0	22
S.C.	12	3	1	0	1	0	17
S.T.	1	0	0	0	0	0	1
M.Sc. - Physics, Chemistry, Zoology, Botany							
M.Sc.	30 + 3 (EWS)						
General/ Unreserved	12	3	0	0	0	0	15
O.B.C.	6	2	0	0	0	0	8
S.C.	6	1	0	0	0	0	7
S.T.	0	0	0	0	0	0	0

Faculty Members

S.NO	Name	Designation	Highest Qualification	University
Department of Botany				
1	Dr. Hitendra Kumar Singh	Assist. Prof.& HoD	Ph.D., 2005	Mahatma Jyotiba Phule Rohilkhand University, Bareilly
2	Dr. Pratibha Srivastava	Assist. Prof.	Ph.D., 2007	University of Lucknow, Lucknow
3	Dr. Deepmala Singh	Assist. Prof.	Ph.D., 2010	University of Allahabad, Allahabad
4	Dr Durgesh Singh Yadav	Assist. Prof.	Ph.D., 2021	BHU, Banaras
Department of Chemistry				
1	Dr. S.S.Yadav	Professor & HOD	Ph.D., 1994	Agra University, Agra
2	Dr. Mohd Kamil Hussain	Assist. Prof.	Ph.D., 2014	JNU, New Delhi
3	Dr Shakeel Ahmad	Assist. Prof.	Ph.D., 2013	University of Allahabad, Allahabad
4	Dr Surjeet Singh	Assist. Prof.	Ph.D., 2016	Delhi University, Delhi
5	Dr Pramod Kumar	Assist. Prof.	Ph.D., 2016	Delhi University, Delhi
6	Dr Amzad Khan	Assist. Prof.	Ph.D., 2021	ACSIR, Dehradun
Department of Commerce				
1	Dr Vinai Kumar Sharma	Assist. Prof.& HOD	Ph.D., 2000	Mahatma Jyotiba Phule Rohilkhand University, Bareilly
2	Dr Zubair Anees	Assist. Prof.	Ph.D., 2006	Mahatma Jyotiba Phule Rohilkhand University, Bareilly
3	Dr M.P.S.Yadav	Assist. Prof.	Ph.D., 2007	Mahatma Jyotiba Phule Rohilkhand University, Bareilly
4	Vishal Kumar	Assist. Prof.	NET, 2006	UGC-NET
5	Dr Pankaj Gambhir	Assist. Prof.	Ph.D., 2009	CCS University, Meerut
Department of Economics				
1	Dr. Lalit Kumar	Assist. Prof.	Ph.D., 2003	Mahatma Jyotiba Phule Rohilkhand University, Bareilly
2	Dr. Monika Khanna	Assist. Prof.	Ph.D., 2003	Mahatma Jyotiba Phule Rohilkhand University, Bareilly

3	Dr Vandana Sharma	Assist. Prof.	Ph.D., 2006	Mahatma Jyotiba Phule Rohilkhand University, Bareilly
4	Dr Ameen Uddin Ansari	Assist. Prof.	Ph.D., 2023	University of Lucknow, Lucknow
Department of Education				
1	Dr Pradeep Kumar	Assist. Prof.& HOD	Ph.D., 2012	CCS University, Meerut
2	Dr Arvind Kumar	Assist. Prof.	Ph.D., 2011	Mahatma Jyotiba Phule Rohilkhand University, Bareilly
3	Manik Rastogi	Assist. Prof.	NET, 2007	UGC-NET
4	Somendra Singh	Assist. Prof.	NET, 2006	UGC-NET
5	Dr Bijender Singh	Assist. Prof.	Ph.D., 2022	Mahatma Jyotiba Phule Rohilkhand University, Bareilly
6	Dr. Syad Abdul Wahid Shah	Assist. Prof.	SLET,2004	BU, Jhansi
7	Dr Nitin Tyagi	Assist. Prof.	Ph.D	CCS University, Meerut
8	Dr. Sahida Parveen	Assist. Prof.	Ph.D., 2022	Mahatma Jyotiba Phule Rohilkhand University, Bareilly
Department of English				
1	Dr. Renu	Assist. Prof.& HOD	Ph.D., 2010	Kumaun University, Nainital
2	Dr. Reshma Praveen	Assist. Prof.	Ph.D., 2006	Mahatma Jyotiba Phule Rohilkhand University, Bareilly
3	Diksha	Assist . Prof.	M.Phil., 2012	CCS University, Meerut
4	Dr Rajkumar	Assist. Prof.	Ph.D., 2010	Mahatma Jyotiba Phule Rohilkhand University, Bareilly
5	Dr Sakshi Tyagi	Assist. Prof.	Ph.D., 2012	CCS University, Meerut
6	Dr Updesh Chhimwal	Assist. Prof.	Ph.D., 2012	Mahatma Jyotiba Phule Rohilkhand University, Bareilly

Department of Hindi				
1	Dr. Arun Kumar	Asso. Prof.& HOD	Ph.D., 2015	Mahatma Jyotiba Phule Rohilkhand University, Bareilly
2	Dr Rajesh Kumar	Assist. Prof.	Ph.D., 2018	JNU, New Delhi
3	Dr Abdul Latif	Assist. Prof.	Ph.D., 2002	AMU, Aligarh
4	Dr. Rajeev Pal	Assist. Prof.	Ph.D., 2005	University of Lucknow, Lucknow
5	Dr. Zaibi Nazz	Assist. Prof.	Ph.D., 2012	Mahatma Jyotiba Phule Rohilkhand University, Bareilly
6	Dr. Prashant Dwivedi	Assist. Prof.	Ph.D., 2023	University of Lucknow, Lucknow
Department of History				
1	Dr Vijay Kumar Rai	Assist. Prof. & HOD	Ph.D., 2003	VBSPU, Jaunpur
2	Sanjeev Kumar	Assist. Prof.	NET, 2012	UGC-NET
3	Santosh Yadav	Assist. Prof.	NET, 2015	UGC-NET
Department of Mathematics				
1	Dr. S.K.Gautam	Assist. Prof.& HOD	Ph.D., 2018	Mahatma Jyotiba Phule Rohilkhand University, Bareilly
2	Dr. Rekha Kumari	Assist. Prof.	Ph.D., 2016	Dr Bhimrao Ambedkar University, Agra
3	Dr. Shaliendra Kumar	Assist. Prof.	Ph.D., 1998	Mahatma Jyotiba Phule Rohilkhand University, Bareilly
4	Lokesh Kumar	Assist. Prof.	NET, 2009	CSIR-NET
Department of Physical Education				
1	Dr Mujahid Ali	Assist . Prof. & HOD	Ph.D.2003	AMU,Aligarh
Department of Physics				
1	Dr. Seema Teotia	Professor & HOD	Ph.D., 2000	CCS University, Meerut
2	Dr. Suman Lata	Assist. Prof.	Ph.D., 2016	Mahatma Jyotiba Phule Rohilkhand University, Bareilly
3	Dr. Mudit Singhal	Assist. Prof.	Ph.D., 2014	Mahatma Jyotiba Phule Rohilkhand University, Bareilly
4	Raju	Assist. Prof.	M.Phil,2008, NET,	Bundelkhand University, Jhansi, CSIR-NET

5	Brahm Singh	Assist. Prof.	M.Phil., 2002	CCS University, Meerut
6	Dr Rahul Kumar	Assist. Prof.	Ph.D., 2016	IIT, Delhi
Department of Political Science				
1	Mohd. Nasir	Assist. Prof.& HOD	NET, 2010	UGC-NET
2	Dr Maya Bharti	Assist. Prof.	Ph.D., 2019	BBAU, Lucknow
3	Dr Akhtar Hussain	Assist. Prof.	Ph.D., 2021	Allahabad University, Allahabad
Department of Psychology				
1	Dr. Ajita Rani	Asso. Prof.& HOD	Ph.D., 2001	CCS University, Meerut
2	Dr. Meenakshi Gupta	Professor	Ph.D., 1995	CCS University, Meerut
3	Dr Khushboo	Assist. Prof.	Ph.D., 2024	BHU Banaras
4	Ghanshyam Saroj	Assist. Prof.	NET, 2012	UGC-NET
5	Ayush Kumar	Assist. Prof.	NET, 2014	UGC-NET
6	Akanksha Devi	Assist. Prof.	NET, 2013	UGC-NET
Department of Sanskrit				
1	Dr. Kusum Lata	Assist. Prof.& HOD	Ph.D., 2003	Kumaun University, Nainital
Department of Urdu				
1	Dr Syed Mohd Arshad Rizvi	Professor & HOD	Ph.D., 2004	University of Lucknow, Lucknow
2	Dr Jahangir Ahmad	Assist. Prof.	Ph.D., 2002	Mahatma Jyotiba Phule Rohilkhand University, Bareilly
3	Iram Naim	Assist. Prof.	NET, 2014, 2017	UGC-NET
Department of Zoology				
1	Dr. Jagriti Madan	Principal & HOD	Ph.D., 1993	Meerut University, Meerut
2	Dr. Baby Tabassum	Assist. Prof.	Ph.D., 2002	Mahatma Jyotiba Phule Rohilkhand University, Bareilly
3	Dr. Nidhi Gupta	Assist. Prof.	Ph.D., 2006	Mahatma Jyotiba Phule Rohilkhand University, Bareilly
4	Dr Naresh Kumar	Assist. Prof.	Ph.D., 2009	CCS University, Meerut
5	Dr Neha Nagpal	Assist. Prof.	Ph.D., 2014	Mahatma Jyotiba Phule Rohilkhand University, Bareilly
6	Dr Gajendra Singh	Assist. Prof.	Ph.D., 2018	AIMS, New Delhi
7	Dr Kaish Miyan	Assist. Prof.	Ph.D., 2015	AMU, Aligarh

Department of Geography
Vacant
Department of Persian
Vacant
Department of Sociology
Vacant
Department of Philosophy
Vacant

शिक्षणेत्तर एवं पाठ्यक्रम सहगामी गतिविधियाँ

१. एन०एस०एस० (NSS) - छात्र-छात्राओं (स्नातक स्तर) को श्रम, अनुशासन, आत्मबल एवं सदाचार के महत्त्व को समझाने व उन्हें समाज से जोड़ने हेतु महाविद्यालय में तीन छात्र इकाई व एक छात्रा इकाई कार्यरत है। समय-समय पर एक दिवसीय एवं सात विवसीय शिविरों द्वारा राष्ट्रीय महत्त्व के विषयों यथा पल्स पोलियो, पर्यावरण संरक्षण, एड्स निवारण एवं आपदा प्रबन्धन आदि हेतु सहयोग दिया जाता है।

२. एन०सी०सी० (NCC) - राष्ट्र की सेवा व रक्षा हेतु आपातकालीन परिस्थितियों में सहयोग करने हेतु स्नातक स्तर पर एन०सी०सी० की एक छात्र यूनिट व एक छात्रा यूनिट गठित है। सत्र के प्रारम्भ में इच्छुक छात्र/छात्राएं एन०एस०एस० अथवा एन०सी०सी० में से किसी एक में अपना पंजीकरण करा सकते हैं।

३. रोवर-रेंजर - उत्तर प्रदेश 'भारत स्काउट एवं गाइड' के तत्वावधान में स्नातक स्तर पर 'विवेकानन्द रोवर क्रू' (छात्रों के लिए) व 'जागृति रेंजर क्रू' (छात्राओं के लिए) अनुशासन, स्वावलम्बन, देशप्रेम व जनसेवा की भावना विकसित करने हेतु सक्रिय है।

४. पर्यावरण संरक्षण क्लब (ईको-मैग्नेटिक क्लब) - पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरुकता व कर्तव्यबोध कराने हेतु इस क्लब का गठन किया गया है। अस्तित्व बचाने की इस मुहिम में गोष्ठियाँ, सम्मेलन, वार्ताओं प्रतियोगिताओं व वृक्षारोपण का आयोजन किया जाता है।

५. शारीरिक शिक्षा एवं खेलकूद - छात्र/छात्राओं को महाविद्यालय में हॉकी, क्रिकेट, फुटबाल, वालीबॉल, कबड्डी, खो-खो, बैडमिंटन, टेबिल-टेनिस, एथलेटिक्स आदि विभिन्न खेलों की पर्याप्त सुविधाएँ उपलब्ध है। खिलाड़ियों के प्रोत्साहन हेतु विश्वविद्यालय एवं महाविद्यालय स्तर पर अनेक योजनाएँ चलाई जा रही हैं। सत्र 2018-19 से स्नातक स्तर में शारीरिक शिक्षा एक विषय है।

६. सांस्कृतिक परिषद - छात्र/छात्राओं की नैसर्गिक प्रतिभा को उजागर करने के लिए महाविद्यालय में विभागीय परिषदों के साथ-साथ एक सांस्कृतिक परिषद का भी गठन किया गया है, जो समय-समय पर शैक्षणिक सत्र में विभिन्न ज्वलंत समस्याओं पर लेखमाला, भाषण, निबंध, प्रश्न मंच, नारा लेखन, शोध पत्र पठन, चार्ट, पोस्टर कार्टून रचना एवं अन्य सांस्कृतिक कार्यक्रमों को आयोजित कर छात्रों में स्वस्थ प्रतिस्पर्द्धा की भावना विकसित करती है। सत्र के मध्य में महाविद्यालय स्तर पर तीन दिवसीय "युवा महोत्सव" का अयोजन किया जाता है। । जिसमें विद्यार्थियों को वाद-विवाद, सामूहिक परिचर्चा, क्विज, संगीत, कला, नाटक आदि विधाओं में अपनी प्रतिभा प्रकट करने के लिए समुचित अवसर एवं मंच प्रदान किया जाता है। **नोट - शिक्षणेत्तर गतिविधियों/पाठ्यक्रम सहगामी क्रियाओं/प्रयोगशाला में अकस्मात होने वाली दुर्घटना में हुई किसी भी शारीरिक, आर्थिक क्षति के लिए महाविद्यालय प्रशासन**

उत्तरदायी नहीं होगा। मात्र प्रारम्भिक चिकित्सा सुविधा महाविद्यालय द्वारा प्रदान की जाएगी, जो महाविद्यालय में उपलब्ध है।

७. पुरातन छात्र परिषद - पुरातन छात्र-छात्राओं की विशेषज्ञता एवं अनुभवों का लाभ लेने के उद्देश्य से महाविद्यालय में 'पुरातन छात्र-परिषद' की स्थापना की गई है। यह परिषद पुरातन व वर्तमान विद्यार्थियों को जोड़ने की कड़ी है। पुरातन विद्यार्थी इस परिषद की सदस्यता अवश्य ग्रहण करें।

८. अभिभावक प्राध्यापक परिषद - इस परिषद द्वारा समय-समय पर गोष्ठियाँ आयोजित कर अभिभावक प्राध्यापकों के मध्य शैक्षणिक सांस्कृतिक एवं सामाजिक दृष्टिकोण के विकास हेतु विचारों का आदान-प्रदान होता है। विभिन्न समस्याओं के समाधान हेतु योजनाएँ बनायी जाती हैं।

९. **पत्रिका-प्रकाशन** - पत्रिका 'ज्ञानज्योति' में हिन्दी, अंग्रेजी, उर्दू, फारसी एवं संस्कृत में महत्वपूर्ण समसामयिक विषयों पर मौलिक लेख/रचना प्रकाशित कर छात्र-छात्राओं की रचनात्मक एवं सृजनात्मक कलाधर्मिता को प्रोत्साहित किया जाता है।

१० . न्यूज़ बुलेटिन - महाविद्यालय वर्ष में दो बार न्यूज़ बुलेटिन का प्रकाशन करता है जिसमें महाविद्यालय की विभिन्न गतिविधियों को दर्शाया जाता है।

महाविद्यालय द्वारा प्रदत्त सुविधाएँ

1. **पुस्तकालय** - ज्ञानवृद्धि हेतु पुस्तकालय में उच्चस्तरीय पुस्तके, शब्दकोश, शोध संदर्भ ग्रंथ (Journals) एवं पत्रिकाएँ आदि प्रचुर मात्रा में उपलब्ध हैं।
2. **E-Library (Digital Library)**- डिजिटल एजुकेशन को बढ़ावा देने हेतु महाविद्यालय में निशुल्क: ई लाइब्रेरी (N-LIST) की सुविधा भी उपलब्ध है जिसके द्वारा आप घर बैठे e-Book और शोध पत्र डाऊनलोड कर सकते हैं।
3. **वाचनालय** - रिक्त वादनों में समसामयिक व विषय सम्बन्धी ज्ञान वृद्धि व जागरूकता का स्तर बढ़ाने हेतु वाचनालय में हिन्दी, अंग्रेजी, उर्दू, के समाचार पत्र, प्रतियोगिता साहित्य व अन्य पत्रिकाएँ छात्र-छात्राओं के लिए उपलब्ध हैं।
4. **छात्रा कक्ष** - छात्राओं के लिए महाविद्यालय में छात्रा कक्ष (प्रसाधन कक्ष सहित) की सुविधा प्रदान की गई है।
5. साइकिल/मोटर साइकिल / स्कूटर महाविद्यालय के गेट पर ही छात्र-छात्राओं के वाहनों को रखने के लिए स्टैंड उपलब्ध हैं।
6. करियर काउन्सलिंग एवं सेवा योजन केन्द्र-छात्र-छात्राओं की अभिरूचि, योग्यता व क्षमता का आकलन कर उन्हें विभिन्न क्षेत्रों में करियर चुनने में परामर्श व सहायता दी जाती है। अनेक कम्पनियाँ महाविद्यालय परिसर में आकर रोजगार/नौकरी हेतु विद्यार्थियों का चयन करती है।
7. **शीतल जल व्यवस्था (Water Cooler)** - महाविद्यालय परिसर में विभिन्न स्थलों पर शुद्ध शीतल पेय जल की व्यवस्था की गई है। मणिक भ्रमण दल कई विषयों में छात्र-छात्राओं को सम्पूर्ण भारत में शैक्षणिक भ्रमण पर जाने हेतु सुविधा प्रदान की जाती है।
8. **कम्प्यूटर कक्ष** - महाविद्यालय में कम्प्यूटर सुविधा उपलब्ध है।

VALUE FRAMEWORK OF THE INSTITUTION

VALUES/GOALS

1- Contribution to National Development

*More Access with equity. Developmental thrust in the identification of research areas and academic programs,

*Community engagement.

2- Fostering Global Competencies among Students

*Development of generic skills, Development of application skills, Development of life skills.

3- Inculcating Value System in Students

*Value integration in academic programs.

*Value integration in management practices.

*Value inculcation through co-curricular and extra-curricular activities.

4- Promoting the use of Technology.

*For enrichment of learning. For increasing the access to online programmes for system management.

MAJOR CONSIDERATIONS OF THE INSTITUTION

1- To Provide equal opportunities of higher education to students.

2- To develop modest, socially harmonious, civilized and cultured citizens.

3- To train students for national and social services.

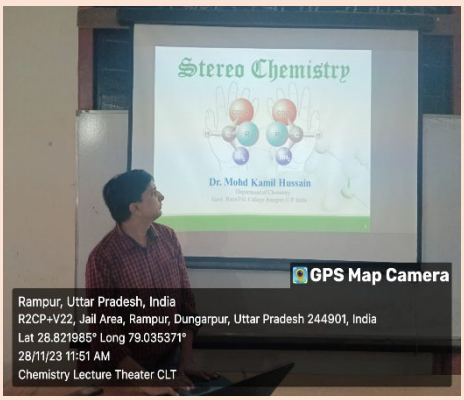

रजा डिग्री कॉलेज में हुआ कैरियर परामर्श सत्र का आयोजन

रामपुर। राजकीय रजा पीजी कॉलेज, के परामर्श एवं निर्देशन प्रकोष्ठ दिशा द्वारा कला संकाय के छात्र–छात्रों के लिए एक विशेष कैरियर परामर्श सत्र काआयोजन किया गया। सत्र के शुभारंभ में डॉ. अजीता रानी ने करियर से जुड़े महत्वपूर्ण बिंदुओं के विषय में छात्र–छात्राओं के साथ चर्चा की। सत्र विशेषज्ञ डॉ. सैयदा शुमायला नईम द्वारा आयोजित सत्र में मानविकी के क्षेत्र में अपने करियर पथ में स्पष्टता और दिशा चाहने वाले छात्रों को अमूल्य मार्गदर्शन और अंतर्दृष्टि प्रदान की गई।डॉ. नईम ने अपनी व्यापक योग्यता और विशेषज्ञता के साथ कला संकाय के छात्र– छात्रों को उनके भविष्य के प्रयासों को आकार देने में मदद करने के लिए व्यक्तिगत सलाह दी।सत्र में अपनी भविष्य की सफलता की योजना बनाने के लिए उत्सुक छात्रों की उत्साही भागीदारी देखी गई।आईक्यूएसी के तत्वावधान में आयोजित इस कार्यक्रम में उपस्थित कला संकाय के सभी प्रवक्ताओं तथा छात्रों द्वारा सराहनीय प्रतिक्रिया मिली, जिसमें छात्रों को आज के विश्व परिदृश्य में करियर निर्णय लेने के लिए सशक्त आधार बनाने की आवश्यकता पर प्रकाश डाला गया।डॉ.मीनाक्षी गुप्ता द्वारा डॉ. नईम, समस्त उपस्थित प्राध्यापकों, छात्र–छात्राओं का धन्यवाद ज्ञापन किया गया। इस अवसर पर डॉ. मीनाक्षी गुप्ता, डॉ.अजीता रानी, डॉ. अरुण कुमार, डॉ.राजेश कुमार, डॉ. जेबी नाज, डॉ.खुशबू, डॉ.आकांक्षा, डॉ.आयुष कुमार आदि प्राध्यापक उपस्थित रहे।

सफलता पाने के लिए मन लगाकर करें काम

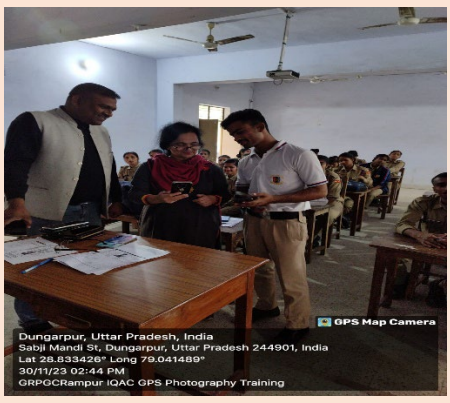

रजकीय रजा डिग्री कालेज में आयोजित अलंकरण समारोह में सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत करते छात्र-छात्राएं बाएं से नीतु, आसिया, नसीन और मनदीप सिंह और राजकीय रजा डिग्री कालेज में आयोजित अलंकरण समारोह में पुरस्कार व प्रमाण पत्र के साथ एनसीसी कैडेटस बाएं से प्रथम पं? में बैठेहुए ज्योति, आरती, ललित सागर, राहुल देव, सौरभ, सजत सक्सेना, रितु और स्वाति● जागरण

कार्यक्रम

- रजा डिग्री कालेज के वार्षिकोत्सव में बोले ज्वाइंट मजिस्ट्रेट
- समारोह के दौरान एनसीसी कैडेट्स को सम्मानित किया गया

जागरण संवाददाता, रामपुर : ज्वाइंट मजिस्ट्रेट गौरव कुमार ने कहा कि सफलता पाने के लिए जरूरी है कि हम जिस काम को भी करें, पूरे मनोयोग से करें। ऐसा करने से हमें सफलता प्राप्त करने से कोई नहीं रोक सकता। उन्होंने यह बात रजा डिग्री कालेज के वार्षिक समारोह में कही।

कालेज का वार्षिकोत्सव धूमधाम से मनाया गया। बच्चों ने सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए। इस मौके पर मुख्य अतिथि रहे गौरव कुमार ने कहा कि हमें किसी भी काम को करने के लिए सर्वश्रेष्ठ बनने की इच्छा रखनी चाहिए। ऐसा करने पर परिणाम अच्छे मिलते हैं। निवर्तमान उच्च शिक्षा निदेशक डॉ.प्रीति गौतम ने कहा कि रजा डिग्री कालेज प्रदेश के अग्रणी कालेज में शामिल है। इसका रिजल्ट भी अच्छा रहा है। छात्र अगर मन लगाकर काम करें तो सफलता जरूर मिलेगी। पूर्व शिक्षा निदेशक आरके बसलस ने कहा कि महाविद्यालय के छात्रों ने अनेक उपलब्धियां हासिल की हैं और अब भी छात्र अच्छा काम कर रहे हैं। पूर्व संयुक्त शिक्षा निदेशक डॉ.दिलीप कपूर ने कहा कि जिस दिशा में भी आप आगे बढ़ना चाहते हैं, उस दिशा में पूर्ण मनोयोग और कर्तव्यनिष्ठा से जुट जाएं। प्राचार्य डॉ.पीके वार्ष्णेय ने भी छात्रों से मन लगाकर पढ़ाई करने पर जोर दिया। उन्होंने सभी अतिथियों का आभार व्यक्त किया। इस मौके पर एनसीसी कैडेट्स को सम्मानित किया गया। इस मौके पर डॉ.अभय कुमार गुप्ता, डॉ.माधुरी रस्तोगी, डॉ.अनीस अहमद, डॉ. अतुल शर्मा, डॉ.मोनिका खन्ना, डॉ. जागृति मदान, डॉ.विक्रम सिंह आदि मौजूद रहे।

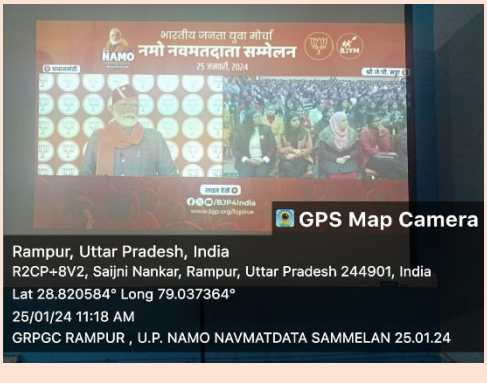

शिक्षणेतर गतिविधियां छात्र-छात्राओं के व्यक्तित्व-विकास के लिए अनिवार्य:डॉ दीपा

रज़ा डिग्री कालेज में हिन्दी परिषद के तत्वावधान में शैक्षणिक परिषद के अन्तर्गत हुआ भाषण एवं कविता-पाठ प्रतियोगिता का आयोजन

रजा डिग्री कालेज में प्रतियोगिताओं का आयोजन

रामपुर (विधान केसरी)। रजा पीजी कालेज में मतदाता साक्षरता क्लब, राष्ट्रीय सेवा योजना इकाइयों, रेंजर व रोवर इकाइयों एवं राष्ट्रीय केडेट कोर द्वारा संयुक्त रूप से 14वें राष्ट्रीय मतदाता दिवस की थीम, वोट जैसा कुछ नहीं, वोट जरुर डालेंगे हम, मतदाता शपथ, पोस्टर, स्लोगन, क्विज की प्रतियोगिताओ का आयोजन किया गया।

भारत निर्वाचन आयोग द्वारा दिये गये दिशा निदेशी का पालन करते हुए महाविद्यालय परिसर में प्राचार्य डा. दीपा अग्रवाल के निर्देशन में डा. राजेश कुमार, डा. माया भारती, डा. राजकुमार, डा. नरेश कुमार, डा. इरम, डा. प्रवेश कुमार द्वारा प्रतियोगिताओं का आयोजन कराया गया जिसमें छात्र छात्राओं ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। पोस्टर प्रतियोगिता में गुलशन प्रथम, दानिश द्वितीय एवं इलमा ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। स्लोगन प्रतियोगिता में मुस्कान, इरम व शहनाज ने प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त किया। क्विज प्रतियोगिता में नोवेरा जबीं, सिमरा मुसर्रत एवं विधि चैहान ने बाजी मारी।

प्रतिभागी छात्रों में आमिर, कैफ, कमल, गुड्डू, ऐनान, आदिल, फातिमा, जैनब, मनतशा, समीर, ओम त्रिवेदी, रूखसाना, अदीना, आनिशा आदि ने प्रतिभाग किया।

रजा डिग्री कॉलेज में सांस्कृतिक कार्यक्रमों व सम्मान समारोह के साथ धूमधाम से संपन्न हुआ युवा महोत्सव

रजा डिग्री कॉलेज में महिला सुरक्षा एवं सम्मान पर पोस्टर हुआ प्रतियोगिता का आयोजन

संवाददाता अमर आनंद

रामपुर (मुजाहिद खान)। मिशन शक्ति अभियान के तहत राजकीय रजा स्नातकोत्तर महाविद्यालय में महिला एवं बालिका सुरक्षा,सम्मान,स्वास्थ्य एवं पोषण पर पोस्टर प्रतियोगिता आयोजन किया गया।

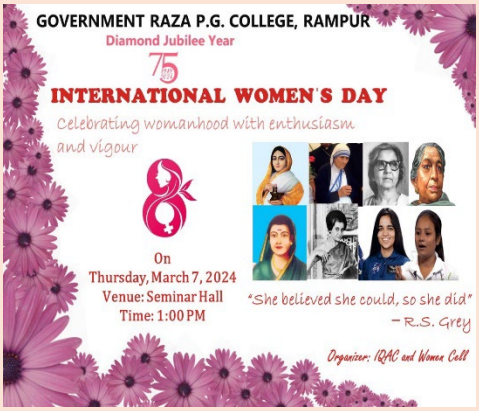

मिशन शक्ति अभियान के अंतर्गत डॉ रेशमा परवीन की संयोजकता में आयोजित इस पोस्टर प्रतियोगिता में प्रथम सिदरा शाहिद (बी0एससी–1),द्वितीय रोहन अली (बी0एससी–1) और तृतीय स्थान मरियम फैजान (बी0एससी 1) ने प्राप्त किया।जबकि सांत्वना पुरस्कार फरहीन (बी0ए0–2)ने प्राप्त किया।

इस अवसर पर प्राचार्य डॉ0 पी0 के0 वार्ष्णेय ने कहा कि मिशन शक्ति कार्यक्रम शारदीय नवरात्र 17 अक्तूबर से आरम्भ होकर ग्रीष्म नवरात्र तक आयोजित होगा,जिसके अंतर्गत अनेक गतिविधियां महिला सुरक्षा,स्वास्थ्य, पोषण,आत्मरक्षा कौशल,विधिक एवं कानूनी जागरूकता आदि विषयों पर विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे।

मीडिया प्रभारी डॉ प्रदीप कुमार ने बताया कि पोस्टर प्रतियोगिता में डॉ प्रतिभा श्रीवास्तव,डॉ0 दीपमाला सिंह, एनएसएस के कार्यक्रम अधिकारी डॉ रामकुमार सिंह एवं महाविद्यालय के समस्त प्राध्यापक, छात्र छात्राएं एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।